আমি তোমার সন্ধানে আছি, কাননে থুঁজে' গেছি, ধরা দাওনি। তীর্থে তীর্থে প্রান্তরে পথে কোনখানে দেখা পাই নি।।

আশা নিরাশার দোহল দোলায় মন ছুটে' গেছে কত অজানায়। জ্ঞান-চর্চায় তর্ক-সভায় কিছুতেই কিছু হয় নি।।

সাগরে গভীরে বনে উপবনে পুষ্পের কত রূপায়তনে। খুঁজে' বেড়িয়েছি গগনে প্রনে, মনের গহনে খুঁজি নি।।

(মধুমালঞ্চ, কলিকাতা, ২রা ডিসেম্বর, ১৯৮৩)

তাল : দ'দ্রা

	٢`				ុក				7				o			
[সা	-t] [I সা	সরা গ	1	গা	-1	-1	I	গা	মা	পা	ŧ	M	-1	ধপমা	Ţ
আ	মি	তো	মাত র		স	ন্ধা	নে		অ	0	ছি		কা	ন	নে০	
I	গা	পা	মা	1	গা	গা	গমা	Ī	রগা	পা	মা	-	গা	রা	সা	1
	খুঁ	ভে	গে		ছি	ধ	রাত		দাত	છ	নি		0	О	О	
I	-1	मः	- †		সা	সর!	গা	I	গা	-†	-1		গা	-1	-1	Ţ
	o	আ	মি		ভো	মাত	র		স্	ন্ধা	নে		o	О	О	
1{	মা	প্র	-1	l	পা	-†	ধা	ſ	ধণা	ধণা	স্	1	বা	ধা	% †	}1
	তী	0	র্থে		তী	0	ৰ্থে		2 10	ஃ 0	ব্রে		쒸	থে	0	
I	গা	পা	মা	1	গা	গা	গ্যা	l	রগা	পা	মা		গা	রা	স †	1]
	কো	ন	থা		নে	দে	থা০		পা০	ই	নি		О	0	0	
	অ !মি															
11{	রা	-†	প্ৰমা		মা	মা	পা	1	ধা	-†	-1	1	4 1	-†	-†	} [
	আ	*1 1	নি০		রা	*II	য়		দে	হ	Ø.		দো	লা	য়	
1	ধা	না	ধনস		স ্	না	ধা	I	পা	ধা	পা	1	মা	গা	-†	ľ
	ম	ন	5		र्घे	গে	হে		ক	ত	হা		জা	ন!	যু	

I I -† ধ্: ধা গা ধা বা ধা 91 91 মা 511 1 I Бī ৰ্ক <u>ee†</u> 쥐 O ত স 5 য় 0 ভা য় Ī 511 গা I H 91 91 মা গা রা রগা মা গা রা সা ₹ কি কি নি **5** ছু **হ**0 ত্যে য় 0 O o আমি ""সন্ধানে॥ 1 রা I 1 I - 1 -† পমা মা পা ধা -1 -1 ধা -1 -† ভ রে উ সা গ গ্ৰ বে ব নে প ব নে $I \to \text{ at}$ J রা - † -† পমা মা PH I -1 ধা -† - † -1 হ্যা আ o 0 আত \mathbf{O} \circ Ö O সা O O I রং -4 -† 1 -1 -† -I প্ৰমা ম পা ধা ₹1 -† -1 ভী 7 ব্লে **গ**0 বে উ 51 ৰ নে প ব (4 I ধা ধনদা | স্ 1 না না 1 ধা P Ι ধা 21 মা গা -† **েপ**্ পু O র ক ত র পা য় 0 ত নে -1 I গা ধা 41 ধ্ I ধা পা -† Ţ ধা 91 মা গা খুঁ ড়ি ছ জে বে য়ে নে গ গ নে P ব I 1 গা মা গা রা গা পা 1 मा ।।।। PIT -† গা মা গরা ম নে র গ **₹** খুঁ ঞ্জি নি o 00 নে o •••••• সন্ধানে॥ আমি ***''''